न्यूजीलैंड ने जीता मैच,भारत ने सीरीज

न्यूजीलैंड ने भारत को अंतिम टी–20 मुकाबले में सात विकेट से हराया



हैमिल्टन/ भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का आखिरी मुकाबला रविवार को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला गया। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 7 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट खोकर 195 रन बना लिए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। हालांकि, इस हार के बावजूद भारतीय टीम ने सीरीज 3-2 से जीत ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 2 गेंदों में सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, संजू सैमसन भी 10 गेंदों में 4 रन ही बना सके. दोनों को एडम मिल्ने ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला. दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की अहम साझेदारी की। ईशान किशन ने 32 गेंदों में 61 रन बनाए. उनकी पारी में पांच चौके और पांच छक्के शामिल रहे. वहीं, श्रेयस अय्यर ने 23 गेंदों में 50 रन की पारी खेली. उन्होंने तीन चौके और चार छक्के लगाए। दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारतीय पारी एक बार फिर लड़खड़ा गई। तिलक वर्मा 8 गेंदों में 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। नमन ने 23 गेंदों में 33 रन बनाए, जबकि नीतीश के बल्ले से 17 गेंदों में 22 रन निकले। भुवनेश्वर कुमार ने 6 रन बनाए और अर्शदीप सिंह एक रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 19 रन देकर चार विकेट चटकाए। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो सफलताएं मिलीं। 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। फिन एलन 2 रन बनाकर अर्शदीप सिंह की गेंद पर आउट हो गए. हालांकि, इसके बाद टिम सीफर्ट और डेरिल मिचेल ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया। सीफर्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए महज 34 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने डेरिल मिचेल के साथ मिलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. मिचेल 14 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन सीफर्ट ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने उनका अच्छा साथ दिया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी कर न्यूजीलैंड की जीत लगभग तय कर दी। सीफर्ट अपने पहले टी-20 इंटरनेशनल शतक से चूक गए. उन्होंने 50 गेंदों में 93 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और पांच छक्के शामिल थे. उन्हें नीतीश कुमार रेड्डी ने बोल्ड किया। दूसरी ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों में नाबाद 65 रन बनाए उन्होंने 8 चौके और 3 छक्के लगाए। डेरिल मिचेल ने भी 16 गेंदों में 29 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाकर मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया। न्यूजीलैंड ने आखिरी दो मुकाबलों में जीत दर्ज कर सीरीज में शानदार वापसी की, लेकिन शुरुआती तीन मैचों में मिली जीत के दम पर भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली. आखिरी मुकाबले में जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज का अंत जीत के साथ किया ।



पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे मुकाबले से भी बाहर



नयी दिल्ली / विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को एहतियात के तौर पर भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच सात नवंबर से शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम बहु दिवसीय मुकाबले से भी बाहर कर दिया गया है। इससे वेलिंगटन में होने वाले पहले टेस्ट में उनकी उपलब्धता को लेकर संशय पैदा हो गया है। पंत ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन (मांसपेशियों में खिंचाव) से जूझने के बाद न्यूजीलैंड में भारत ए के शुरुआती दो मुकाबलों से भी बाहर हो गए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने कहा, ''ऋषभ पंत को एहतियात के तौर पर न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। सूत्र ने कहा, पंत ने हालांकि ट्रेनिंग शुरू कर दी है और उन्हें अब दर्द भी नहीं है लेकिन प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी की समयसीमा अभी तय नहीं है। इस मुकाबले से बाहर होने के कारण पंत को दो मैच की टेस्ट शृंखला से पहले मैदान पर अभ्यास करने का महत्वपूर्ण मौका नहीं मिल सकेगा।

शृंखला जीत पर गंभीर ने भारतीय टीम की तारीफ की



हैमिल्टन/भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में मिली जीत को 'असाधारण उपलब्धि' करार देते हुए कहा कि खिलाड़ियों के आक्रामक और बेखौफ रवैये ने तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलने की कमी को पूरा किया। भारत ने पांच मैचों की शृंखला के शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर अजेय बढ़त हासिल की थी लेकिन न्यूजीलैंड ने आखिरी दो मैच जीतकर शृंखला का समापन 2-3 से किया। भारतीय टीम को इस दौरे पर परिस्थितियों से तालमेल बैठाने के लिए बेहद कम समय मिला था। टीम 20 अक्टूबर को न्यूजीलैंड पहुंची और 21 अक्टूबर को सिर्फ एक अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। इसके अगले ही दिन यानी 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में शृंखला का पहला मुकाबला खेला गया। लंबी हवाई यात्रा की थकान, मौसम में बदलाव और टीम के अधिकांश खिलाड़ियों का न्यूजीलैंड का पहला दौरा होने के बावजूद भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। गंभीर ने पांचवें टी-20 अंतरराष्ट्रीय के बाद का,यह निश्चित रूप से अविश्वसनीय प्रयास था क्योंकि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए केवल एक दिन मिला था। वे 20 अक्टूबर को पहुंचे और 21 अक्टूबर को अभ्यास किया। अलग परिस्थितियां, अलग मौसम और मैदान के अलग-अलग आयाम थे। उन्होंने कहा, हमारी टीम को टी-20 प्रारूप में काफी अनुभव रखने वाले न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उसी के मैदान पर खेलना था। हमारी टीम के ज्यादातर खिलाड़ी भी पहली बार न्यूजीलैंड दौरे पर आए थे। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन पर गर्व होना चाहिए, खासकर तब जब तैयारी के लिए लगभग कोई समय ही नहीं मिला हो। भारत को इस दौरे पर पांच वनडे और दो टेस्ट मैच भी खेलने हैं। गंभीर का मानना है कि इन प्रारूपों के लिए टीम को बेहतर तैयारी का अवसर मिलेगा। गंभीर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने टी-20 क्रिकेट के लिए बहुत ज्यादा योजना बनाई थी।

वैष्णवी, सहजा और माया पर होगी नजर

चेन्नई । डब्ल्यूटीए के मुख्य टूर कैलेंडर से भारत की मेजबानी छिनने की आशंका के बीच सोमवार से यहां शुरू होने वाले चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वैष्णवी अडकर, सहजा यमलापल्ली और माया राजेश्वरन रेवती के पास अपने घरेलू मैदान पर छाप छोड़ने का आखिरी मौका होगा। इन तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट के एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया है और वह इसमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे क्योंकि उन्हें पता है कि यह टूर्नामेंट देश में डब्ल्यूटीए 250 स्तर का अंतिम टूर्नामेंट है। विश्व रैंकिंग में शीर्ष 300 से बाहर चल रही इन तीनों खिलाड़ियों के लिए डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंटों में सीधे प्रवेश पाना अभी दूर की कौड़ी है।

सिंधू-लक्ष्य ने जीते हाइलो ओपन के खिताब





सारब्रकेन (जर्मनी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में सीधे गेम में जीत दर्ज करते हुए क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब अपने नाम किए जिससे भारत को दोहरी सफलता मिली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने डेनमार्क की विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज लाइन होजमार्क केयर्सफेल्ड को हराकर मौजूदा सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने पांच लाख डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के 39 मिनट तक चले फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त केयर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से शिकस्त दी। जुलाई में जापान ओपन में खिताब जीतने वाली और पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने पूरे मुकाबले में शानदार नियंत्रण और दमदार खेल का प्रदर्शन किया। सिंधू ने कहा, ''मेरे लिए यह महत्वपूर्ण था कि प्रतिद्वंद्वी कोई भी हो मैं अपना शत प्रतिशत प्रदर्शन करूं। हम कई बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुके हैं और मेरे लिए हर अंक पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी था। मेरे लिए हर अंक महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा,मैंने शुरुआत से ही बढ़त बना ली थी और उसे वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इसके बाद लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल फाइनल में जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराकर भारत की दोहरी सफलता सुनिश्चित की। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज सिंधू ने इस जीत के साथ 9,200 रैंकिंग अंक हासिल किए और सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की अपनी दावेदारी मजबूत की। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आई हैं, सिंधू ने कहा, ''बिल्कुल। मेरी पूरी टीम को इसका श्रेय जाता है। हम इसी के अनुसार योजना बना रहे हैं। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं यह जरूरी हो जाता है कि आप अपने खेल को बेहतर बनाएं और फैसले लेने में अधिक समझदारी दिखाएं।

बल्लेबाजी सुधारने के लिए बाबर ऑस्ट्रेलिया या द. अफ्रीका जाएं

लाहौर,/ पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने रविवार को स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को अपनी बल्लेबाजी की तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में विशेषज्ञों से मदद लेने की सलाह दी।यूसुफ का मानना है कि लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर के लिए केवल प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर विशेष रूप से काम करने और विशेषज्ञों की मदद लेने की जरूरत है। शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय शृंखला के फाइनल में पाकिस्तान के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए बाबर की खराब फॉर्म एक बार फिर चर्चा में आई।पाकिस्तान फाइनल जीतने में सफल रहा लेकिन बाबर पूरे टूर्नामेंट में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। यूसुफ ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा,उन्हें दक्षिण अफ्रीका या ऑस्ट्रेलिया जाना चाहिए और फिलहाल अपना पूरा ध्यान बल्लेबाजी में सुधार करने पर लगाना चाहिए।

बॉयल के शतक से न्यूजीलैंड ए की वापसी

क्राइस्टचर्च। मैथ्यू बॉयल के नाबाद शतक और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट के अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ए ने रविवार को यहां भारत ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन खराब शुरुआत से उबरते हुए तीन विकेट पर 218 रन बनाए। बॉयल 148 गेंदों पर 107 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया है। फॉक्सक्रॉफ्ट 180 गेंदों पर 80 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनकी पारी में नौ चौके शामिल हैं। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 205 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड की टीम को वापसी दिलाई। इससे पहले भारतीय टीम ने कप्तान ध्रुव जुरेल (105) के शतक की मदद से अपनी पहली पारी में 346 रन बनाए।

हरमनप्रीत की हैट्रिक से भारत ने मलेशिया को हराया



जालंधर । कप्तान हरमनप्रीत सिंह के हैट्रिक गोल की बदौलत पांच बार के चैंपियन भारत ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट में मलेशिया को 4-2 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत ने हाल ही में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक मैच में भी मलेशिया को 5-1 से हराया था। छह टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत और मलेशिया के अलावा दक्षिण कोरिया तथा जापान ने भी सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत सोमवार को अपने आखिरी राउंड रॉबिन मुकाबले में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा, जबकि मलेशिया का सामना जापान से होगा। हरमनप्रीत ने तीसरे, 33वें और 58वें मिनट में गोल दागकर शानदार हैट्रिक लगाई। उन्होंने दो गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए, जबकि एक गोल पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए आया। स्ट्राइकर सुखजीत सिंह ने 43वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत की बढ़त मजबूत की। मलेशिया की ओर से अखिमुल्लाह अनुआर ने 25वें मिनट में और शेलो सिल्वरियस ने 60वें मिनट में गोल किए। भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। कप्तान हरमनप्रीत ने तीसरे ही मिनट में टीम को मिले पहले पेनल्टी कॉर्नर पर मलेशिया के गोलकीपर हफीजुद्दीन ओथमान के बाईं ओर दमदार ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने मलेशियाई रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया और कई बार सर्कल में प्रवेश किया, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली। मलेशिया ने दूसरे क्वार्टर में जवाबी हमला तेज किया। उसे 18वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने दोनों मौकों पर गोल नहीं होने दिया। इसके बाद भारत को भी लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, मगर मलेशियाई गोलकीपर ओथमान ने दोनों बार हरमनप्रीत के प्रयासों को नाकाम कर दिया।

विश्व भारोत्तोलन में उषा शीर्ष पर

निंगबो । भारतीय भारोत्तोलक उषा ने रविवार को यहां आईडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप की महिला 61 किग्रा स्पर्धा के ग्रुप-डी में शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि निरुपमा देवी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें ग्रुप-सी में चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। इस 23 वर्षीय उषा ने कुल 212 किलोग्राम वजन (स्नैच में 93 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 119 किलोग्राम) उठाया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने अपने ग्रुप की सभी भारोत्तोलकों को पीछे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, वह उच्च ग्रुप-सी की भी कई खिलाड़ियों से आगे रहीं। दूसरी ओर 63 किग्रा भार वर्ग से 61 किग्रा में आईं निरुपमा देवी ने कुल 211 किग्रा (स्नैच में 91 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 120 किग्रा) वजन उठाया। उनका कुल प्रदर्शन उषा से एक किग्रा कम रहा। प्रवेश के समय घोषित अधिक वजन उठाने के लक्ष्य के कारण उन्हें ग्रुप-सी में जगह मिली थी। ग्रुप-सी और ग्रुप-डी के मुकाबले समाप्त होने के बाद उषा तीसरे जबकि निरुपमा पांचवें पायदान पर थीं। दोनों खिलाड़ियों की अंतिम रैंकिंग ग्रुप-ए के मुकाबले पूरे होने के बाद तय होगी। उषा ने 90 किलोग्राम के स्नैच के साथ सफल शुरुआत की, लेकिन अपने अगले प्रयास में 93 किलोग्राम उठाने में असफल रहीं।

युवा ओलंपिक खेलों का रंगारंग उद्घाटन

डकार (सेनेगल)। सेनेगल और अफ्रीकी संस्कृति से सरोबार युवा ओलंपिक खेलों का यहां रंगारंग उद्घाटन किया गया। यह पहला अवसर है जबकि अफ्रीका महाद्वीप में किसी ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सेनेगल की राजधानी डकार के पास स्थित डायम्नियाडियो ओलंपिक स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में हजारों दर्शकों ने भाग लिया। सैकड़ों ढोल वादकों और नर्तकों ने खेलों के आदर्श वाक्य, 'अफ्रीका स्वागत करता है, डकार जश्न मनाता है' की तर्ज पर सेनेगल और अफ्रीकी संस्कृति की शानदार झलक पेश की। उद्घाटन समारोह में पश्चिम अफ्रीका का मौखिक कथावाचन, सेनेगल के गायकों के संगीत कार्यक्रम और खिलाड़ियों की परेड देखने को मिली।

सीएमएस की शिवाश्मी ने जीता दो गोल्ड

आज खेल समाचार सेवा

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजेन्द्र नगर प्रथम कैम्पस की प्रतिभाशाली छात्रा शिवाश्मी जौहरी ने अन्तर-जनपदीय ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में दो गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। चैम्पियनशिप का आयोजन डिस्ट्रिक्ट ताइक्वाण्डो एसोसिएशन, लखनऊ के तत्वावधान में किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि चैम्पियनशिप में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने अपनी तकनीकी दक्षता, आत्मविश्वास एवं दमखम का जोरदार प्रदर्शन करते

नंबर एक का ताज पहनने से पहले ज़्वेरेव को मिली हार



वियना,/अलेक्जेंडर ज़्वेरेव को पहली बार विश्व का नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी का ताज पहनने से पहले हार का सामना करना पड़ा। ज़्वेरेव एर्स्टे बैंक ओपन के सेमीफाइनल में एलेक्स डी मिनौर से हारने के के कारण अपनी इस उपलब्धि को यादगार नहीं बना पाएंगे। डी मिनौर ने निर्णायक टाईब्रेक में शुरुआती 3-0 की बढ़त बनाने के बाद 6-4, 1-6, 7-6 (4) से जीत हासिल की। इससे उनकी सत्र के आखिरी टूर्नामेंट एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावना बढ़ गई हैं। ज़्वेरेव सोमवार को यानिक सिनर की जगह नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। यह जर्मन खिलाड़ी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले 30वें खिलाड़ी होंगे। फाइनल में डी मिनौर का सामना कार्लोस अल्काराज़ से होगा। अल्काराज़ ने दूसरे सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव को 6-4, 7-6 (2) से हराया।

वाचेरोट का मुकाबला लेहेका से

बासेल। वैलेंटीन वाचेरोट ने अमेरिका के छठी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 7-6 (5), 6-3 से हराकर स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। मोनाको के वाचेरोट ने अपने करियर के दूसरे और 2026 में पहले फाइनल में प्रवेश किया। वह इससे पहले पिछले साल शंघाई मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे जहां उन्होंने खिताब जीता था। फाइनल में उनका मुकाबला जिरी लेहेका से होगा। चेक गणराज्य के आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लेहेका ने जर्मनी के जान लेनार्ड स्ट्रफ को 3-6, 7-5, 6-4 से हराया। स्ट्रफ ने इससे पहले नोवाक जोकोविच को हराकर उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

साई में 'संडेज़ ऑन साइकिल' में दिखा जोश

लखनऊ। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नेताजी सुभाष क्षेत्रीय केंद्र (एनएसआरसी) लखनऊ की ओर से रविवार को राष्ट्रीय एकता दिवस की थीम पर 'संडेज़ ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सरोजनी नगर, कानपुर रोड स्थित केंद्र परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल के करीब 50 एनसीसी कैडेट्स और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। साई एनएसआरसी के क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी आत्मप्रकाश के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत जुंबा और योग सत्र से हुई। इसके बाद प्रतिभागियों के लिए स्किपिंग और पुश-अप जैसी फिटनेस गतिविधियां आयोजित की गईं। आयोजन का मुख्य आकर्षण पांच किमी. की साइकिल रैली रही, जिसमें एनसीसी कैडेट्स, अधिकारियों और स्थानीय फिटनेस प्रेमियों ने भाग लिया।

लखनऊ ने हैंडबॉल में जीता कांस्य

आज खेल समाचार सेवा

लखनऊ। लखनऊ मंडल की टीम ने झांसी में 28 से 31 अक्टूबर तक आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रदेशीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में लखनऊ की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल डी में अपने तीनों मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। लखनऊ की टीम ने पूल मुकाबलों में आजमगढ़, अलीगढ़ और आगरा को शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। फिर लखनऊ ने क्वार्टर फाइनल में गोरखपुर को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हालांकि सेमीफाइनल मुकाबले में वाराणसी की टीम ने लखनऊ को 30-23 से पराजित कर दिया। इस हार के साथ लखनऊ मंडल को



कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता में वाराणसी की टीम विजेता जबकि अयोध्या की टीम उपविजेता रही। लखनऊ की कांस्य पदक विजेता टीम को लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी डॉ. अतुल सिन्हा ने बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत और टीम भावना का परिणाम है। टीम के कोच मोहम्मद तौहीद ने कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में एकजुटता और बेहतर खेल का परिचय दिया। वहीं निशा खान, शिवानी भारती, माही शर्मा और डॉली यादव ने विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हालांकि सेमीफाइनल में टीम को हार जरूर मिली, लेकिन खिलाड़ियों ने जिस तरह जुझारुपन दिखाया वह सराहनीय रहा।